सर्राफा कारोबारी से हुई लूट और गोलीकांड में तीन इनामी गिरफ्तार

पुलिस ने बिच्छू गैंग के तीन इनामी बदमाशों को दो हजार किमी पीछा करके गिरफ्तार किया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के गुलाबपुरा थाना इलाके में गत दिनों सर्राफा कारोबारी से हुई लूट और गोलीकांड में पुलिस ने बिच्छू गैंग के तीन इनामी बदमाशों को दो हजार किमी पीछा करके गिरफ्तार किया है। इनके साथ ही एक अन्य आरोपित ट्रक चालक को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिसने इन आरोपितों की फरारी में सहायता की थी।

पुलिस ने सर्राफा कारोबारी से हुई लूट और गोलीकांड में तीन इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया।

- इनके साथ ही एक अन्य आरोपित ट्रक चालक को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिसने इन आरोपितों की फरारी में सहायता की थी

जिला पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह ने गुरुवार को पुलिस अधीक्षक सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता में यह खुलासा करते हुआ कहा कि 31 दिसंबर 2023 की रात रूपाहेली भट्टा स्थित ज्वैलरी की दुकान के मालिक विनोद सोनी, रवि सोनी एवं कर्मचारी महेन्द्र वैष्णव अपनी दुकान से घर जाने के लिये निकले। रास्ते में दो बाइक्स पर 4 से 5 बदमाशों ने हथियार से फायरिंग कर लाठियों से हमला कर दिया और ज्वैलरी भरा बैग लूट कर फरार हो गए। इस वारदात को लेकर गुलाबपुरा पुलिस ने केस दर्ज किया। एसपी ने बताया कि इस वारदात में लिप्त तीन आरोपितों को पहले गिरफ्तार कर लिया गया था। साथ ही शेष आरोपितों को नामजद किया गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए आरोपित राजेन्द्र सिंह (24) पुत्र लक्ष्मण सिंह रावत निवासी जयनगर, संदीप (24) पुत्र शेर सिंह जाट निवासी नाटास थाना गुढागौड़जी, झुन्झुनू पर 25-25 हजार एवं रामसिंह उर्फ लम्बू (30) पुत्र प्रभु गुर्जर निवासी जोधखेडा रोड ब्यावर खास थाना ब्यावर 15 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया गया।

साइबर सैल की मदद से पुलिस ने करीब दो हजार किलोमीटर पीछा करते हुये इन आरोपितों को 29 मिल के सामने ट्रक से अहमदाबाद जाते समय गिरफ्तार किया। साथ ही फरारी में सहयोग करने के आरोप में ट्रक चालक पालरा, अजमेर निवासी दीरम (50) पुत्र रूपा सिह रावत को भी गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि ये तीनों आरोपित 15 दिन से साइबर सैल की रडार पर थे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि ये आरोपित बार, जवाजा (ब्यावर) और शम्भूगढ़ में भी लूट की वारदातों में वांछित हैं। फरारी के दौरान पुलिस ने करीब 2000 किमी तक पीछा करते हुए इन्हें लगातार ट्रेस किया और गिरफ्तार करने ने सफलता हासिल की है।

कैंसर मरीज की मौत के मामले में दो पर गिरी गाज

जोधपुर, (कासं)। एक कैंसर मरीज की मौत के मामले के मामले में अब डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल व नियंत्रक डॉ. दिलीप कच्छवाहा व एमडीएम हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित पर गाज गिरी है। दोनों को एपीओ कर दिया गया है। बुधवार देर शाम मेडिकल एजुकेशन ग्रुप 1 के सीएस इकबाल खान की ओर से यह आदेश जारी किए गए हैं। अगले आदेश तक दोनों के मुख्यालय जयपुर कर दिए गए है। इधर उनके एपीओ करने के साथ ही दोनों पदों पर नियुक्ति भी दे दी है। अब डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल के पद पर डॉ. रंजना देसाई व एमडीएम अधीक्षक के पद पर डॉ. नवीन किशोरिया को नियुक्त किया गया है। अगले आदेश तक यह दोनों इस पद का कार्यभार देखेंगे। इससे पहले 13 जनवरी को एमडीएम हॉस्पिटल के तीन स्टॉफ को एपीओ किया गया था। सभी कार्रवाई के पीछे 12 जनवरी को एमडीएम हॉस्पिटल में कैंसर पीड़ित 24 साल युवक की मौत को कारण मामला जा रहा है।

- प्रिंसिपल व नियंत्रक तथा एमडीएम हॉस्पिटल के अधीक्षक पर गाज गिरी, दोनों को एपीओ किया
- डॉ. रंजना देसाई को दिया प्राचार्य का कार्यभार, डॉ. नवीन किशोरिया होंगे अधीक्षक

गुरुवार को जब यह आदेश जारी हुए तो डॉ. कच्छवाह और डॉ. राजपुरोहित सालाना होने वाली बीएफसी की बैठक में भाग लेने जयपुर जा रहे थे। रास्ते में दोनों को एपीओ होने के आदेश मिले। आदेशों में इस कार्रवाई की वजह प्रशासनिक कारण बताए जा रहे हैं। आदेश विभाग के शासन संयुक्त सचिव इकबाल खान ने जारी किए हैं, लेकिन जानकारों का कहना है कि नई सरकार को प्राचार्य डॉ. दिलीप कच्छवाहा को हटाने का बहाना चाहिए था। ऐसे में एमडीएम हॉस्पिटल की घटना में अकेले प्रिंसिपल पर कार्रवाई नहीं हो सकती थी। अधीक्षक के साथ उनको भी एपीओ कर दिया गया। इसके संकेत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खिंवसर ने घटना के अगले दिन एमडीएम विजिट से पहले यह कहते हुए दिए थे कि बड़े अधिकारियों की लापरवाही पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई में हम देरी नहीं करेंगे।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से जारी आदेशों में बताया गया कि डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य पद का अगले आदेशों तक कार्यभार उम्मेद अस्पताल की पूर्व अधीक्षक डॉ. रंजना देसाई देखेगी। इसी तरह से एमडीएम अस्पताल के अधीक्षक का कार्यभार मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. नवीन किशोरिया देखेंगे।

जानकारी के अनुसार 11 जनवरी की शाम को ओसियां के पली निवासी गोपाल भाटी को लंग्स कैंसर की परेशानी के चलते एमडीएम हॉस्पिटल के ट्रोमा सेंटर के रेडजोन वार्ड में वेंटिलेटर पर रखा गया था। अगले दिन सुबह 4 बजे के करीब लाइट जाने के बाद वेंटिलेटर बंद हो गया था और मरीज की ऑक्सीजन नहीं मिलने के कारण मौत हो गई थी। मरीज के परिजनों ने उस समय एक वीडियो भी बनाया था जिसमें लाइट गई हुई थी और वेंटिलेटर भी बंद था। इसके साथ ही मौके पर हॉस्पिटल की एक महिला नर्स स्टाफ ही नजर आई थी। परिजनों ने इस संबंध में हॉस्पिटल प्रबंधन की लापरवाही की शिकायत भी दर्ज करवाई थी। मरीज की मौत के दूसरे दिन 13 जनवरी को चिकित्सा मंत्री गजेंद्रसिंह खींवसर का जोधपुर में दौरा था। मंत्री के सामने यह मामला आते ही प्रबंधन की ओर से आनन-फानन में सीमएओ डॉ. कुलदीप, नर्सेज ओमाराम व मनीषा को एपीओ कर दिया गया था। मामले में मंत्री खींवसर ने एडीएम और अन्य अधिकारियों की भी जांच करने के लिए कहा था।

डोडा-पोस्त के साथ युवक गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की लूणी पुलिस ने फींच गांव की सरहद में एक युवक को गिरफ्तार उससे अवैध डोडा-पोस्त के साथ अफीम बरामद की है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है। लूणी थानाधिकारी राजेंद्र चौधरी ने गोरा की ढाणी फींच निवासी किशनाराम पुत्र हापूराम विश्नोई को गिरफ्तार किया। उसके पास से 7.6 किलो अवैध डोडा पोस्त और 222 ग्राम अवैध अफीम बरामद की गई। उसे एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर लिया।

एजेंट के खिलाफ लाखों रूपये हड़पने का आरोप

सादुलपुर, (निसं)।भादरा निवासी दो लोगों नें एक एजेन्ट के खिलाफ विदेश भेजकर कबूतरबाजी कर लाखों रूपये हड़पने के आरोप का मामला राजगढ़ थाने में दर्ज करवाया गया है।

राजगढ़ थाने में इकराज खान पुत्र फरियाद खांन एवं खुशी मोहम्मद पुत्र असलम खांन कायमखानी निवासी भादरा जिला हनुमानगढ ने इस आरोप का मामला दर्ज करवाया है कि 20 दिसम्बर 2023 को एजेन्ट मोहम्मद बिलाल पुत्र मोहम्मद रफीक कायमखानी जो विदेश भेजने का कार्य करता है, के पास दोनों उसके पास अरमिनिया जाने के गये तो उसने कहा आपको 550 डॉलर सैलरी मिलेगी व रहन खाना कंपनी आपको देगी। यह कहकर उसने उनसके 4,50,000 रूपये लिये, फिर वे दोनों विदेश अरमिनिया चले गये।

वहां पहुंचने पर उसके आदमी ने उनसे 300-300 डॉलर मांगे तथा मना करने पर अभद्र व्यवहार किया और उन्हें वहीं पर ही छोड़कर चला गया तथा छह दिन तक उन्होंने अपने घर से रूपये मंगवाकर खाना पीना व रहना किया और 73,400 रूपये दोनों की टिकट के रूपये अपने पास से भरकर वापस भारत आये तथा आकर उसको उल्लाहना दिया और उन्होंने अपने रूपये वापस मांगे तो उसने अभद्र व्यवहार किया। आरोप है कि उसने कहा मुझे तो तुम दोनो के साथ कबूतरबाजी करके पैसे एठने थे, जो मैने ऐठ लिये। राजगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है।

हादसे में जीजा की मौत, साला घायल

भीलवाड़ा, (निसं)। पड़ोसी जिले शाहपुरा में डूंगरी चौराहे पर पिकअप की टक्कर से बाइक सवार जीजा की मौत हो गई, जबकि उसका साला घायल हो गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद मृतक का शव परिजनों को सौंप दिया। शाहपुरा पुलिस ने बताया कि केकड़ी जिले के कादोलाई निवासी राजूलाल (28) पुत्र श्रवण कुमावत अपने जीजा सांगरिया हाल बापूनगर निवासी जगदीश (40) पुत्र उगमा कुमावत के साथ बाइक पर भीलवाड़ा जा रहा था। शाम करीब 7.30 बजे शाहपुरा-भीलवाडा रोड पर डुंगरी चौराये के पास पीछे से आई बोलेरा पिकअप ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में जगदीश कुमावत को गंभीर चोट आई। राहगीरों ने 108 एंबुलेंस से घायल जीजा-साला को शाहपुरा अस्पताल भिजवा दिया, जहां डॉक्टर्स ने जगदीश कुमावत को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद जगदीश का शव परिजनों को सौंप दिया। हादसे की रिपोर्ट राजूलाल कुमावत ने शाहपुरा पुलिस को दी। पुलिस ने पिकअप चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरु कर दी।

मृत सभी सात कुरजां को रावरा में दफनाया

बाप, (निसं)। बाप क्षेत्र के रावरा में बुधवार दोपहर हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मरी सभी कुरजां को वन विभाग ने मौके पर ही दफना दिया। रावरा में तालाब के आसपास बड़ी संख्या में कुरजां ने पड़ाव डाल रखा है। तालाब के आगोर में से ही सोलर कंपनियों की हाईटेंशन लाइन बाप की तरफ आ रही हैं। उसी लाइन की चपेट में आने से सात कुरजां कंरट की चपेट में आने से मर गई थी। उपखंड अधिकारी के निर्देश पर दोपहर बाद क्षेत्रीय वन अधिकारी जोधराजसिंह, वन पाल हासम खां तथा वन रक्षक किशन गोपाल मौके पर पहुंचे। रेंजर सिंह ने सोलर कंपनी प्रतिनिधि को मौके पर बुलाया तथा उन्हे कुरजां की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम जल्द से जल्द उठाने को कहा है।

ख्यातनाम पक्षी "ग्रेटर फ्लैमिंगो" की मौजूदगी मोरल बांध के स्वर्णिम इतिहास की गवाह बनी

लालसोट, (निसं)। मोरेल बांध पर इस बार ग्रेटर फ्लैमिंगो जैसे ख्यातनाम पक्षी राजहंस की मौजूदगी मोरल बांध के स्वर्णिम इतिहास की गवाह बनी है। मोरल बांध के आसपास विभिन्न प्रकार की पक्षियों की प्रजातियां खुद को सुरक्षित महसूस करने के साथ संख्या में बढ़ोतरी कर रही है। ऐसे में मोरेल बांध आने वाले समय में किसी बड़े टूरिज्म स्पोट के तौर पर उभरकर सामने आने की गुंजाइश में है।

लालसोट के मोरेल बांध में मौजूद ग्रेटर फ्लैमिंगो राजहंस पक्षी।

- 'मोरेल बांध प्रवासी पक्षियों के शीतकालीन प्रवास के लिए उपयुक्त वेटलैंड साबित हो रहा है'
- पिछली बार फ्लेमिंगो की संख्या 100 थी इस बार 150 से ऊपर पहुंच चुकी है

स्थानीय क्षेत्र के प्राणी विज्ञानी एवं प्रमुख प्रमुख पक्षी विशेषज्ञ एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर सुभाष पहाड़िया ने बताया कि मोरेल बांध प्रवासी पक्षियों के शीतकालीन प्रवास के लिए उपयुक्त वेटलैंड साबित हो रहा है। भारत में फ्लेमिंगो राजहंस की दो प्रजातियां पायी जाती है ग्रेटर फ्लेमिंगो और लेसर फ्लेमिंगो। ग्रेटर फ्लेमिंगो अपने प्रजनन स्थल कच्छ के रण जहां नवंबर में बारिश शुरू हो जाती है, ऐसे में ये ग्रेटर फ्लेमिंगो अपने फीडिंग स्थलों की तरफ वार्षिक प्रवास करते है। मोरेल बांध पर प्रवासी पक्षियों के डेटा संधारण और जैव विविधता संरक्षण का कार्य कर रहे राजकीय कन्या महाविद्यालय लालसोट के प्राचार्य प्रोफेसर सुभाष पहाड़िया ने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस बार ग्रेटर फ्लेमिंगो की संख्या में बहुत ज्यादा वृद्धि हुई है।

इसका सबसे प्रमुख कारण मोरेल बांध में 8 फिट पानी का रिजर्व रहना, जल और भोजन का पर्याय मात्रा में होना। जिसके कारण जहां पिछली बार फ्लेमिंगो की संख्या 100 थी इस बार 150 से ऊपर पहुंच चुकी है। अभी इनकी संख्या और बढ़ने की संभावना है। 120 से 140 सेंटीमीटर आकर व शांत स्वभाव का यह पक्षी अपनी सुराही के आकार की लम्बी गर्दन और लंबी टाँगे व लाल चोंच से बहुत ही आकर्षक दिखता है।

राजहंस एक फिल्टर-फीडर है, इसकी घुमावदार चोंच को पानी में उल्टा रखते हुए इसे कीचड़ वाले पानी में डुबोते हैं और कीचड़ से शैवाल, वनस्पति व मोलस्क जीवों को छानकरऔर बगल से पानी व कीचड़ को बाहर निकालते हैं। ऐसा ये अपनी चोंच में पायी जाने वाली छलनी के कारण आसानी से कर पाते हैं। अपनी लंबी गर्दन से अपनी चोंच को पानी में डुबोकर शैवाल और घोंघे खाता है। ग्रेटर फ्लेमिंगो की विशेषता है कि दो फ्लेमिंगो अपनी लंबी गर्दन की एक दूसरे से मिलाकर दिल की आकृति बनाकर भोजन शेयर करते है। मूल रूप से ये अफ्रीका, यूरोप और दक्षिणी एशिया में पाए जाते हैं लेकिन भारत में ये शीतकालीन प्रवास में महाराष्ट्र और राजस्थान के स्वच्छ जल के वेटलैंड में प्रवास करते है। मोरेल बांध पर ग्रेटर फ्लेमिंगो पक्षी प्रेमियों के लिए आकर्षण के केंद्र बने हुए है। ये अपने अपने सफेद और चटख गुलाबी रंग से दर्शकों को लुभा रहे है।

प्रोफेसर सुभाष पहाड़िया के अनुसार मोरेल बांध में पिछली बार से तत्कालीन जिला कलेक्टर तथा डीएफओ केतन कुमार के सहयोग से पानी रिजर्व रखा गया। उसी के परिणामस्वरूप फ्लेमिंगो के लिए उपयुक्त भोजन स्नेल, घोंघे आदि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने के कारण ही इनकी संख्या में इजाफा हुआ है। हमारा प्रयास रहेगा कि राज्य सरकार इस बांध को नोटिफाई वेटलैंड की सूची में शामिल कर इसे कंजेरवेशन रिजर्व घोषित किया जाए।

अवैध लकड़ी से भरी पिकअप पकड़ी

टोंक, (निसं)। वन नाका सोहेला वन विभाग की टीम ने बुधवार शाम गुप्त सूचना के आधार पर अवैध लकड़ी लदी एक पिकअप को पकड़ा है, जिसके बाद वन विभाग कर्मियों ने पिकअप को जब्त कर वन फॉरेस्ट नाके पर खड़ा करवाया गया। फॉरेस्टर मुकेश चौधरी ने बताया कि बुधवार शाम को वन विभाग की टीम ने अवैध लकड़ी कटान एवं परिवहन पर कार्रवाई करते हुए नीम की लड़कियों से भरी हुई पिकअप को एनएच 52 मोटूका पुलिया के पास से नाकाबंदी कर पकडर खड़ा करवाया गया। इस दौरान वन विभाग की टीम में क्षेत्रीय वन अधिकारी जोगेंद्र सिंह, वनपाल नाका , विक्रम शर्मा, वनपाल नाका, सोहेला, मुकेश चौधरी, हेमराज, आशीष, शंकर, राम भजन, कालूराम शामिल रहे।

सर्दी ने फिर दिखाए तीखे तेवर, दोपहर तक छाया रहा कोहरा

बाप, (निसं)। मौसम का मिजाज बदलते ही सर्दी ने फिर तेवर दिखा दिए हैं। बाप उपखंड क्षेत्र गुरूवार को दोपहर तक कोहरा छाया रहा। कोहरा छंटने के बाद एक बजे सूर्य निकला। जिससे आमजन को सर्दी से राहत मिली। पिछले कुछ दिनो से सर्दी से राहत मिली हुई थी।

दोपहर में चटक धूप निकलने से आमजन को सर्दी से काफी राहत मिल गई थी। लेकिन बुधवार दोपहर बाद सर्द हवा चलने की वजह से गुरूवार को बाप कस्बा घने कोहरे की आगोश में रहा। कोहरे की वजह से हाइवे पर वाहन चालकों ने हैड लाइटें भी जलाई, लेकिन दृश्यता शून्य होने की वजह से नजर कुछ नहीं आ रहा था। इस बीच चल रही सर्द हवाओं ने लोगों को ठिठुरा दिया।

बाप में तेज सर्दी के चलते दोपहर तक कोहरा छाया रहा।

बुजुर्ग की संदिग्ध मौत, बहन ने दाह संस्कार रूकवाया

जोधपुर, (कासं)। शहर के रातानाडा स्थित उम्मेद हेरिटेज में रहने वाले एक बुजुर्ग की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मौत 13 जनवरी को हुई और बहन और उसके परिवार को 14 जनवरी को दाह संस्कार स्थल पर बुलाया गया।। बहन ने मौत पर संदेह व्यक्त करते हुए बुजुर्ग के भतीजों पर हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दी है। इस पर बाद में दाह संस्कार को रूकवाया और शव को अब एमजीएच मोर्चरी में रखवाया गया। जिसका मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। आरोप है कि बुजुर्ग को गलत दवाइयां देकर मारा गया है। भतीजों द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराने की जानकारी मृतक की बहन और परिवार को नहीं दी गई थी।

- बहन ने मौत पर संदेह जताकर बुजुर्ग के भतीजों पर हत्या का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दी

रातानाडा पुलिस ने बताया कि शिकारगढ़ स्थित रूपविहार की रहने वाली 67 साल की सुगन की तरफ से यह रिपोर्ट दी गई है। इसमें बताया कि उनका छोटा भाई सज्जनसिंह यहां उम्मेद हेरिटेज में अपने भतीजों के साथ रहते थे। 14 जनवरी की दिन में वाट्सअप पर उन्हें संदेश मिला कि सज्जन सिंह की मौत हो गई है और आप दाह संस्कार में आ जाओ। इस पर वे वहां पहुंची तो पता लगा कि उनके भाई सज्जन सिंह की 13 जनवरी की रात में मौत हुई है। उनके भतीजों ने बिना परिवार को सूचना दिए शव का पोस्टमार्टम करवा दिया और सीधे दाह संस्कार के लिए लेकर आ गए। जबकि सज्जन सिंह पूर्णत: स्वस्थ थे। इस पर उन्होंने दाह संस्कार को रूकवा दिया। शव को बाद में एमजीएच भिजवाया गया और पुलिस को सूचना दी गई। रातानाडा पुलिस द्वारा मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

सुगन सिंह ने अपने छोटे भाई सज्जन सिंह के भतीजों नरपतसिंह, अजय सिंह एवं किशोर सिंह पर हत्या किए जाने की आशंका में केस दर्ज करवाया है। उनका आरोप है कि प्रोपर्टी का विवाद चल रहा है, जिसके चलते गलत दवाइयां देकर हत्या की जा सकती है। मृतक के साथ मारपीट होने की भी आशंका जताई गई है। फिलहाल शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम होने के बाद ही मौत का कारण सामने आ पाएगा। रातानाडा पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज किया है।

हजरत ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती का 812वां उर्स कुल की महफिल के साथ सम्पन्न

अजमेर, (कासं)। महान सूफी संत हजरत ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती के 812वें उर्स में गुरूवार दोपहर एक बजे महफिल खाने में कुल की महफिल सम्पन्न हुई। सज्जादानशीन साहब की सदारत में आयोजित महफिल में कव्वालों ने अमीर खुसरो का लिखा कुल, आज रंग है रि.. माँ.. रंग है रि...' पढ़ा।

वहीं बड़े पीर साहब की पहाड़ी से तोप दागी गई और शाहजहानी गेट से शादीयाने बजाए गए। इस मौके सभी ने एक-दूसरे को मुबारकबाद पेश की और मलंग और कलन्दरों ने महफिल खाने में ही दागोल की रस्म अदा की। उर्स के मौके पर नाजिम लियाकत अली आफाकी द्वारा तमाम शामिल मेहमानों और दुनिया भर के ख्वाजा साहब के मानने वाले लोगों को उर्स की मुबारकबाद पेश की। नाजिम आफाकी ने बताया कि यह हमारी खुशनसीबी है कि हमें ख्वाजा साहब के मेहमानों की खिदमत का मौका मिला है, इसमें हम जितना बेहतर कर सकते थे, उसकी हमने अपनी टीम के साथ पूरी कोशिश की है, जिसके कई बेहतर नतीजे भी हमें मिले हैं। छठी के कुल के साथ ही आस्ताना शरीफ का वक्त बदल जाएगा और ज़ौहर की नमाज के बाद होगा। गौरतलब है कि 25 जमादिउस्सानी झंडे की रस्म के बाद से ही दरगाह शरीफ में खिदमत का वक्त बदल जाता है।

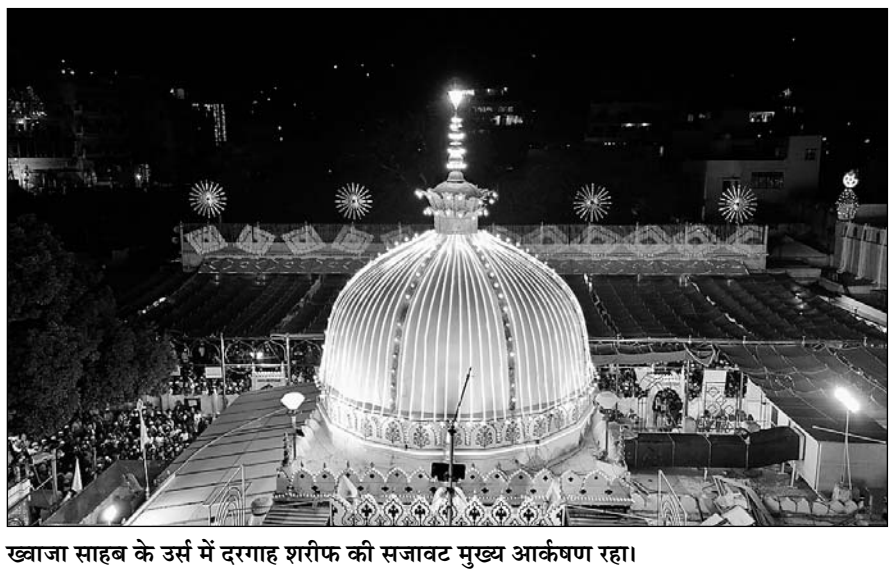

ख्वाजा साहब के उर्स में दरगाह शरीफ की सजावट मुख्य आर्कषण रहा।

- बड़े पीर साहब की पहाड़ी से तोप दागी गई और शाहजहानी गेट से शादीयाने बजाए गए
- सभी ने एक-दूसरे को मुबारकबाद पेश की और मलंग और कलन्दरों ने महफिल खाने में ही दागोल की रस्म अदा की

जन्नती दरवाज़ा हुआ बंद :- कुल की महफिल के साथ ही दोपहर एक बजकर दस मिनट पर सज्जादानशीन साहब के आस्ताना शरीफ़ में जाते ही जन्नती दरवाज़ा बन्द हो गया। विश्रामस्थली कायड़ में ख्वाजा साहब के उर्स में शामिल होने वाले जायरीन की रवानगी का सिलसिला शुरू हो गया है। कुल की फातेहा के बाद से ही बड़ी संख्या में जायरीन अपने घरों को लौटना शुरू कर दिया था। इस साल उर्स में 1000 बजे आई थी जिसमें 565 वापस लौट चुकी थी और यह सिलसिला तेज़ी से जारी है। विश्राम स्थली पर सुबह छठी की फातेहा मौलाना जाकिर शम्सी ने लगाई, फातेहा में बड़ी संख्या में जायरीन ने हिस्सा लिया।

नाजिम आफाकी द्वारा उर्स के सफल आयोजन पर जिला प्रशासन को बधाई दी गई, आफाकी ने कहा कि यह सभी के साझा प्रयासों का नतीजा है कि कड़ी चुनौतियों के बावजूद उर्स का सफल और कुशल आयोजन हुआ। ख्वाजा साहब के उर्स में दरगाह शरीफ की सजावट मुख्य आर्कषण रहा। सुनहरे और सफेद रंगों पर सजाई गई दरगाह के कोने-कोने को जायरीन अपने मोबाईल में तस्वीर लेता दिखाई दिया।

उर्स के सफल आयोजन के बाद नाजिम लियाकत अली आफाकी सज्जादानशीन साहब की हवेली पहुंचे। सज्जादानशीन साहब दीवान सैयद जैनुल आबेदीन अली द्वारा नाजिम आफाकी की दस्तारबंधी की गई और उर्स में बेहतर इन्तेजामात के लिए मुबारकबाद पेश की।